05/01/2013; Issue 016; ₹ 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

खास मुहावरे त कहावत

मणिहेलु किताब किलाड़े पुस्तकालय अन्तर असी

तुबारि संपादकीय टीमे कनारा सोबि पेंगेई मेहणु जे नौंआ साले-2013 बधे, तुस सोब खुश लोते रेहो त तूं सोब कम खरे बणो लोते!

हैं हिमालय फाट पुठ खतरनाक भुन्जुल एणे बाड़े असे।

धरती पढे रिसर्च करणे बाड़े वैज्ञानिकि त हिमालय पहाड़ पढ़े रिसर्च करने बाड़े भूगोल वैज्ञानिकि बोलोसु कि, भारत केआं तिब्बत तकर फाटि-फाटि अन्तर खतरनाक भुन्जुल एणे बाड़े असे। भारत त एशिया धरती पढि प्लेटि के बिच collision ढक्का लगणे बोलि हिमालय पहाड़ हउ बडण लगोअसा। एन्हि दुई प्लेटि के ढक्का लगणे जगा जे मुख्य हिमालय ढ़क्के बोते (Main Himalayan Thrust -MHT)। विज्ञान इस मुख्य हिमालय ढ़क्की पुट सुआ रिसर्च करण लगो असा, भारतीय राष्ट्रीय भौगोलिक शौध शिक्षाए वैज्ञानिकि (National Geophysical Research Institute of India)के मददे बोलि अमेरिकन भूगोल वैज्ञानिके, दुइ साले रिसर्च कई कइ पता, पता लगो असा कि, हिमालय फाटे धरती पढे यक पलेट बीह मील दक्षिणे कनारा उनया घेई गोसी, एसे बोलि 9 मागनिटुड़ (9 magnitude) केआं खडिया भयानक भुन्जुल एई सकता बोल छौ असु। तेन्हि बोलो असु कि, भयानक भुन्जुल एणे डेट, न बताई सकते, ओर रोक बि न सकते सिर्फ आपदा प्रबंधन योजनाई मदद कई सकते।

भारतीय राष्ट्रीय भौगोलिक शौध शिक्षाए वैज्ञानिकि के मददे बोलि अमेरिकन भूगोल वैज्ञानिके, दुइ साले रिसर्च कई कइ पता, पता लगो असा कि, हिमालय फाटे धरती पढे यक पलेट बीह मील दक्षिणे कनारा उनया घेई गोसी, एसे बोलि 9 मागनिटुड़ (9 magnitude) केआं खडिया भयानक भुन्जुल एई सकता बोल छौ असु।

भूगोल वैज्ञानिक काल्डवेले जे बेहिं बोलो असु से 4 दिसंबरे 2012 *एमेरिकन भूगोलभौतिक संगठने ओठ* (American Geophysical Union) अन्तर बोलो असु त हिमालय भूगोलभौतिक शिक्षा विभाग शुरु किओ असि।

शुई असि जुओई कि भुन्तु कोई मेहणु न जाणता, सिर्फ असि बणाणे बाड़े परमेश्वर पता असा। ज्ञानि बोते कि मेहणु मरं कैआं बाद अपु सोब धन दौलत इठि छाड़ दी कइ सिर्फ तेसे आत्मा इस संसार कैआं बेहर घेन्ति। अपु आशा, असि बणाणे बाड़े परमेश्वर पुठ रखि कइ अपु कम, व्यपार सही ढंग जुओई करणे बोलि, हैं आत्मा स्वर्ग अन्तर घेन्ति, तउं असि मौते बोलि डरणे जरुरत नेईं। .... "*साईंस डेलि*" अकबार कैआं असि इ आर्टिकल अनुवाद किओ असा।

(Himalayas may experience major earthquakes: study Agencies : Washington, Wed Dec 05 2012,)

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

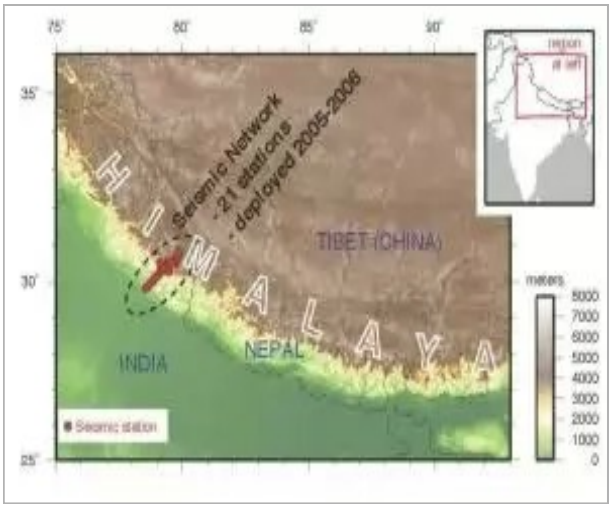

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ुं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गल्ति कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेहिल बार पांगवाडि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

♦कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

♦अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्दे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418411599

चालाक नैऊं

यक लिंगी यक नैऊं थिऊ। तेस नऊं चीकु थिऊ। यक रोज से अपु जुओलि जुओई यक बगींचे अन्तर घुमु जे गो थिआ। चीकु बोता ई हैं लकड़ दादु बग भो सिगालि एस पुठ कब्जा कई छा। तऊं तेसे जुओलि यक बुटे पुठ मीठे-मीठे फल हिलते काए त तसे मुंह अन्तर पोणी भोईगउ। तेनि चीकु जे फल टाई कई अणु जे बोलु, तऊं चीकु बोता न ए बग यक सिगालि भो जे सुवा खुंखार असा अगर तेस पता लगा न कि फल असी टाई काई खो असे त से असी मारि छान्ता। पर चीकु जुओलि तेसे समझाणे बोली न मनि हारि कई चीकु फल टोड़ण जे घेण अऊ। चीकु फल टोड़ुण लगा त तिखेईं तठि सिगालि एईगा चीकु फल घिन कई दौड़ा त यक ड्रम अन्तर घेई गा। पता फल तेस अन्तर छड़ दी कई चुपचाप बेहर एई कई खेड़ि गा। तिखेईं सिगालि तठी एईगा तेनि चीकु कैआं पुछु तेईं इठिया यक नैऊं काऊ न फल नेन्तु। चीकु समझी गा कि सिगालि से नेईं पछाणों तूं तेन बोलु अभेईं मेईं यक नैउं इस ड्रम अन्तर घेन्तु काओ थिऊ। तेस केई सुआ फल थिए। सिगालि ड्रमे भेड़ गा तेठि तेस फलि के मुशक आई त सिगालि नैऊं मारुंण जे ड्रम अन्तर घेई गा। चालाक चीकु झटपट ड्रमे ढकुण दी छऊ। सिगालि ड्रम अन्तर मरिगा। चीकु त तसे जुओलि फिर अपु लकड़ दादु बगींचा वापस नि छड़ा। चीकु अपु बुध्दि बई अपु त अपु जुओलि जान बचाई त तेस बगींचे मालिक बि बणि गा।

कुछ खास खबर

- राजा वीर भद्र सिंह छठे लिंगि हिमाचले मुख्य मन्त्री बण गो असा।एस बजहि जुओई पेंगेई मेहणु चेनही सुरुगें बड़ी आस असि।
- हैं विधायक ठाकुर सिंह भरमौरी हिमाचले वन मन्त्री बण गो असा।
- साक्षर भारत प्रोग्राम अन्तर पेंगेई 5018 मेहणु अन्तरा 4519 मेहणु अप्पु पेपर दी छो असे त तेन्हि सोबि सर्टीफिकेट बि मेई गो असे।

गुरु जीए यक गभुर कैआं प्रश्न पुछा कि ..... By Shubham

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

मुटणे यंत्र बिमारी

मुटणे बिमारी पढि अन्ग साप सुथरे न रखणे बोलि एन्ति। 75% ए बिमारी, ई.कोलई (E.Coli) नाउंए किटाणु बोलि एन्ति, छोठ अन्तर ई किटाणु सुआ भुनते। छोठे बोलि ए किटाणु पतुआ भेड़ि चमड़े जुओइ लगते, तऊं ए किटाणु मुटणे ऑटोड़ि बोलि मठे-मठे हैं जिसम अन्तर घेइ कई बड़ते घेन्ते, त पहले मुटणे ऑटोड़ि अन्तरि बिथ, पता थेलुडु अन्तरि बिथ, तड़िआ पता युरिटर्स त गुर्दे अन्तरि बिथ बि खाई छते, तऊं त एस बिमारी बोली असि सुआ तकलिफ भुनती। **मुटणे यंत्र बिमारी कीं रोक सक्ते?** गरमी सिजन अन्तर अस हर रोज सन्हू कते, अन्तरि बई डबणे झणे बी बदलते, एसे बोलि पढि जगा साप भुन्ति त *ई.कोलई* किटाणु बड़ि कई मुटणे नडकी/मुत्र बहिनि अन्तर घेणे टेम न मेता, तऊ त ए बिमारी गरमी सिजन अन्तर न एन्ति। पर हिऊंत, ठण्ड़यार मेहणु सन्हू घट कते, एसे बोली पढि जगा साप न भुन्ति तऊ तेन्हि किठाणु बड़ कई, मुटणे ऑटोड़ि बई अन्तर घेणे टेम मेता त अस अपेप खुद बिमारी बणणे मोका देन्ते। मुटणे बिमारी त धात बिमारी रोकुण जे, मठड़ गबुरु झणे त गुआपिड़ सुसुर धोइ कई धूप शुखाणि कई त मेहणु अपेप बि, ब्यागे त ब्यादि पढे जगा साबुणे बई सुसर साफ कई कइ, अन्तर ड़बणे झणे बदल कई ओर कम से कम दुइ लिटर पोण हर रोज पीणे बोलि मुटणे यंत्र बिमारी कैआं सोब दूर रेइ सकते।.....Dr. Dhanunjay